हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 343 : जौनपुर, गुरुवार 14 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

पीएम विश्वकर्मा के लाभार्थियों का कौशल भी निखारेगी यूपी सरकार

एजेन्सी

लखनऊ। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना को उत्तर प्रदेश में लागू करने की बड़े स्तर पर तैयारी हो रही है। सीएम योगी के निर्देश पर 17 सितंबर से शुरू हो रही इस योजना में प्रदेश से अधिक से अधिक विश्वकर्मा को जोड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत 18 ट्रेड्स से जुड़े विश्वकर्मा को लाभ दिए जाने की योजना है। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि इन सभी ट्रेड्स में श्विश्वकर्माश का कौशल निखारने के लिए प्रदेश सरकार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से ट्रेनिंग दिलाएगी। बेसिक और एडवांस ट्रेनिंग के दौरान श्विश्वकर्माश्को सरकार की ओर से स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पीएम विश्वकर्मा योजना की जानकारी सबसे पहले फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2023 को अपनी बजट स्पीच में किया था। इसके बाद 15 अगस्त को पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर से इस योजना के शुभारंभ का ऐलान

किया था। यूपी सरकार की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, पीएम विश्वकर्मा योजना को प्रदेश में लागू करने के साथ ही विश्वकर्मा के कौशल को निखारने की भी योजना बनाई गई है। इसी क्रम में सरकार ने कौशल विकास मिशन को सभी 18 ट्रेड्स में लाभार्थी विश्वकर्मा को ट्रेनिंग देने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत लाभार्थी विश्वकर्मा के कौशल सत्यापन के बाद उन्हें 5 दिन की बेसिक ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। इसके बाद 10 प्रतिशत विश्वकर्मा को उनके क्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए एडवांस लेवल की ट्रेनिंग भी प्रदान की जाएगी। एडवांस ट्रेनिंग में उन्हें समय के अनुसार ग्राहकों की बदलती डिमांड पर उत्पाद तैयार करने और उसे निखारने की नई–नई तकनीकों से रूबरू कराया जाएगा। दिलचस्प बात ये है कि सभी विश्वकर्मा को ट्रेनिंग स्टाइपेंड भी मिलेगा जो कि प्रतिदिन 500 रुपए होगा। योगी सरकार की योजना के अनुसार 30 लाख विश्वकर्मा को बेसिक ट्रेनिंग और 3 लाख को एडवांस ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा गया है। यही नहीं बेसिक ट्रेनिंग लेने वाले 30 लाख विश्वकर्मा को टूलकिट इंसेंटिव्स के लिए 15 हजार रुपए ई–वाउचर या ई रूपी के रूप में दिए जाएंगे। इसके साथ ही डिजिटल ट्रांजैक्शन के लिए भी इन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए उन्हें प्रति माह अधिक से अधिक 100 डिजिटल ट्रांजैक्शन पर प्रति ट्रांजैक्शन एक रुपए का इंसेंटिव भी दिया जाएगा। सरकार ने इस योजना के क्वालिटी सर्टिफिकेशन, ब्रांडिंग, एडवरटाइजिंग, पब्लिसिटी और दूसरी मार्केटिंग पहलों के लिए 250 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है।

योजना के अनुसार सबसे पहले सभी 18 ट्रेड्स में कौशल निखारने के लिए कौशल की पहचान और मुख्यालय या ब्लॉक लेवल पर ट्रेनिंग सेंटर तैयार किए जाएंगे। सेंटर्स में बोर्डिंग और लॉजिंग की व्यवस्था के साथ ही विश्वकर्मा को इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ट्रेनिंग के लिए लोकल इंडस्ट्रीज के मास्टर ट्रेनर्स का चयन किया जाएगा। यह भी सुनिश्चत किया जाएगा कि सभी विश्वकर्मा स्किल वेरिफिकेशन और बेसिक ट्रेनिंग के लिए उपलब्ध रहें और इसे पूरा भी करें। ट्रेनिंग और ट्रेनिंग सेंटर्स की जिला और राज्य स्तर पर मॉनीटरिंग भी की जाएगी। एक कंवोकेशन के माध्यम से सभी विश्वकर्मा को सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

महंगाई दर के मामले में टॉप पर है राजस्थान- भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को दिया जवाब

एजेन्सी

नयी दिल्ली। महंगाई को लेकर एक बार फिर से कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप–प्रत्यारोप का नया दौर शुरू हो गया है। इस बार कांग्रेस और भाजपा के बीच महंगाई को लेकर आरोप–प्रत्यारोप का यह नया दौर जीवन बीमा पॉलिसी के सरेंडर करने के आंकड़ों को लेकर शुरू हुआ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महंगाई को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मोदी सरकार पर हमला बोला तो भाजपा की तरफ से पलटवार करते हुए भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने कांग्रेस शासित राजस्थान के महंगाई दर में लगातार टॉप पर बने रहने का दावा करते हुए कहा कि महंगाई पर कांग्रेस बात न ही करे तो बेहतर होगा। खड़गे ने महंगाई को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए एक्स (पहले ट्विटर) कर कहा, लूट की कोई नहीं सीमा, महंगाई ने छीना जीवन बीमा! मोदी सरकार की मुनाफाखोरी की नीति के चलते एक आम परिवार का घर चलाना मुश्किल हो चला है। जानलेवा महंगाई का परिणाम यह है कि जरूरी जीवन बीमा पॉलिसी भी लोग सरेंडर करने पर मजबूर हो गए हैं। पिछले 5 सालों में 47 प्रतिशत लोगों ने जीवन बीमा पॉलिसी लौटा दी है।

अगर ये है जनता की जेब का हाल, तो नहीं चाहिए ऐसा अमृत काल!खड़गे के एक्स पर रिप्लाई करते हुए मालवीय ने कहा, खड़गे जी, महंगाई पर कांग्रेस बात न ही करे तो बेहतर होगा ! राजस्थान महंगाई दर में लगातार टॉप पर बना हुआ है। अगस्त के महंगाई दर के आंकड़ों के हिसाब से टॉप 6 में से 5 घमंडिया गठबंधन और गैर–भाजपा शासित राज्य हैं– राजस्थान, तेलंगाना, झारखंड, उड़ीसा और कर्नाटक!जीवन बीमा पॉलिसी के सरेंडर के खड़गे के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए भाजपा नेता ने आगे कहा, श्आप एक ऐसी रिपोर्ट को बढ़ा–चढ़ाकर दिखा रहे हैं, जिसमें महज कुछ लोगों का ओपिनियन सर्वे किया गया है और जो सही हकीकघ्त नहीं दर्शा रही! 2011–12 में 71,000 रुपये करोड़ की जीवन बीमा पॉलिसी सरेंडर की गई, उस समय महंगाई 10 प्रतिशत से ज्यादा थी, जनता पर महंगाई का बोझ था और सेविंग्स के लिए कुछ नहीं बचता था। उस समय आप लोग देश लूटने में व्यस्त थे! बीमा की पहुंच और उसकी कधिमत की बात करें तो गरीबों और कमजोर लोगों को पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी मोदी सरकार की योजनाओं से लाभ हुआ है! यह योजना 16 करोड़ लोगों तक पहुंची, जो मात्र 436 रुपये प्रति वर्ष पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान करती है। पीएम सुरक्षा बीमा योजना में 34 करोड़ से अधिक नामांकन हैं, जो केवल 20 रुपये प्रति वर्ष पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करती है। आप कुछ समझे?

अवधेश राय हत्याकांडः मुख्तार अंसारी की अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में टली सुनवाई

एजेन्सी

प्रयागराज। पूर्वांचल के माफिया डॉन पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई है। वकीलों की हड़ताल के चलते सुनवाई टली है। मामले की सुनवाई अब अगले हफ्ते हो सकती है। मुख्तार अंसारी ने उम्रकैद की सजा के खिलाफ अर्जी दाखिल की है। हाईकोर्ट में अगली सुनवाई पर निचली अदालत के रिकॉर्ड पेश किए जाएंगे। बता दें कि कांग्रेस नेता अजय राय के भाई अवध्ेश राय की हत्या में उम्र कैद की सजा मिली है। जस्टिस के जे ठाकुर और जस्टिस उमेश चंद्र शर्मा की डिवीजन बेंच ने रिकॉर्ड तलब किया है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई पर 10 अगस्त को अर्जी मंजूर करते हुए रिकॉर्ड तलब किया था। याचिका में निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई है। इसके साथ ही सजा को रद्द किए जाने की अपील की है। मुख्तार अंसारी की तरफ से उनके वकील उपेंद्र उपाध्याय अदालत में पक्ष रखेंगे। वाराणसी की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट ने इसी साल 5 जून को मुख्तार अंसारी को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने हत्या का दोषी मानते हुए मुख्तार अंसारी को उम्र कैद की सजा दी थी।बता दें कि 3 अगस्त 1991 को वाराणसी के चेतगंज इलाके में अवधेश राय की हत्या हुई थी। कांग्रेस नेता अजय राय इस हत्याकांड में खुद ही वादी और गवाह थे। इस हत्याकांड ने पूरे सूबे को हिलाकर रख दिया था। अवधेश राय अपने छोटे भाई अजय राय के साथ घर के बाहर ही खड़े थे। उनकी कार भी बाहर खड़ी थी। तभी उसी वक्त एक वैन वहां तेजी से आई। हथियारबंद अपराधियों ने संभलने का मौका दिए बिना ही अवधेश राय पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। पूरा इलाका गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा था। इस घटना के बाद दहशत फैल गई थी। इससे पहले कि अजय राय कुछ कर पाते, हमलावर वहां से फरार हो गए। बदमाशों ने अत्याधुनिक हथियारों का प्रयोग किया और अवधेश के शरीर को गोलियों से छलनी कर दिया था।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के खिलाफ टीडीपी ने पूरे आंध्र प्रदेश में विरोध प्रदर्शन जारी रखा

एजेन्सी

अमरावती। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने कौशल विकास निगम मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ बुधवार को पूरे आंध्र प्रदेश में अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। लगातार पांचवें दिन, टीडीपी कार्यकर्ता अपने नेता की गिरफ्तारी की निंदा करने और उनकी तत्काल रिहाई की मांग करने के लिए सड़कों पर उतरे।

विरोध प्रदर्शन के कारण कुछ जिलों में तनाव पैदा हो गया क्योंकि पुलिस ने धारा 144 का उल्लंघन करने वाले प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। टीडीपी नेताओं ने बाबू थो नेनु (मैं बाबू के साथ हूं) के नारे के साथ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत बुधवार को सभी जिलों में क्रमिक भूख हड़ताल की। एन. चंद्रबाबू नायडू के गृह जिले चित्तूर में बड़ी संख्या में टीडीपी नेता और कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ नारे लगाए।

तिरूपति में क्रमिक भूख हड़ताल का नेतृत्व कर रहीं पूर्व विधायक सुगुनम्मा ने आरोप लगाया कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार राजनीतिक प्रतिशोध के कारण नायडू को निशाना बना रही है। नायडू की रिहाई तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। कई टीडीपी नेता और कार्यकर्ता नेल्लोर जिले के कवाली शहर में क्रमिक भूख हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। टीडीपी के राज्य उपाध्यक्ष ज्योथुला नेहरू काकीनाडा जिले के जग्गमपेटा में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। पूर्व मंत्री देविनेनी उमा ने भी भूख हड़ताल में भाग लिया। विशाखापट्टनम में टीडीपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान तनाव हो गया है। पुलिस ने विधायक वी रामकृष्ण बाबू, पूर्व विधायक पी श्रीनिवास राव और अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया है। टीडीपी नेताओं ने इस कार्रवाई के लिए पुलिस की आलोचना की।

फेसबुक पर 56 साल की महिला से हुआ प्यार, फिर रचाई शादी...45 लाख रुपए ठग हुआ फरार

एजेन्सी

मुंबई। सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद एक व्यक्ति ने नवी मुंबई की 56 वर्षीय एक महिला से कथित तौर पर 45 लाख रुपए की नकदी और आभूषण ठग लिए। पुलिस ने बताया कि महिला, सानपाड़ा इलाके में अपने बेटे के साथ रहती है। वह 2020 में अपने पति से अलग हो गई थी। बाद में, उसकी मुलाकात सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर मुंबई के कफ परेड इलाके के रहने वाले 42 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति से हुई। सानपाड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने महिला को यह नहीं बताया था कि वह शादीशुदा है। प्राथमिकी के मुताबिक आरोपी अक्सर महिला के घर आने लगा और फिर दोनों ने शादी कर ली।

अधिकारी ने बताया कि बाद में आरोपी ने कथित तौर पर महिला को पीटना और गालियां देना शुरू कर दिया और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने महिला द्वारा दर्ज शिकायत के हवाले से बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर उसके पैसे और सोने के आभूषणों सहित कुल मिलाकर 45 लाख रुपए ले लिए, जिसमें 36 लाख रुपए नकद भी शामिल थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 को आयेंगे काशी

एजेन्सी

लखनऊ। वाराणसी से सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काशी दौरा प्रस्तावित है। 23 सितंबर को बड़ी सौगात के साथ पीएम काशी आयेंगे। वाराणसी कमिश्नर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तकरीबन 3 घंटे तक प्रधानमंत्री मोदी काशी में रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के भूमि पूजन के साथ अटल आवासीय विद्यालय का शुभारंभ और जनपद में चल रहे काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के समापन कार्यक्रम से जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री के इस दौर में वाराणसी को करीब 1000 करोड़

से अधिक परियोजनाओं की सौगात मिलने वाली है।वाराणसी के कमिश्नर कौशल राज शर्मा के मुताबिक 23 सितंबर को वाराणसी के सांसद और प्रधानमंत्री मोदी का काशी दौरा प्रस्तावित है। पीएम करीब 3 घंटे तक वाराणसी में रहेंगे और लगभग 1000 से अधिक करोड़ की परियोजनाओं का सौगात देंगे।वाराणसी के गंजारी स्थित बनने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के भूमि पूजन में पीएम शामिल होंगे जिसके लिए भूमि पहले से ही आवंटित की जा चुकी है और गंजारी में ही प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम निर्धारित है। पीएम मोदी करीब 16 मंडल में तैयार किए गए अटल आवासीय विद्यालय का भी शुभारंभ करेंगे।नई तकनीक और आधुनिक व्यवस्थाओं से संपन्न वाराणसी के करसेड़ा ग्राम पंचायत में तैयार किए गए इस सरकारी विद्यालय के माध्यम से श्रमिकों और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निशुल्क शिक्षा और रहने–खाने की सुविधा प्रदान की जाएगी।वाराणसी में काशी सांसद संस्कृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में कलाकार प्रतिभाग कर रहे हैं। इसका समापन 20 सितंबर को होगा लेकिन प्रधानमंत्री मोदी 23 सितंबर को काशी आगमन के दौरान फाइनल तक पहुंचने वाले उन कलाकारों से मिलेंगे और उनका हौसला अफजाई करेंगे। इन कलाकारों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे जिस दौरान पीएम खुद मौजूद होंगे। वाराणसी कमिश्नर ने कहा कि लोकल परियोजनाओं का शुभारंभ प्रधानमंत्री के अक्टूबर–नवंबर महीने के विजिट के दौरान करेंगे।

संसद सत्र से पहले सरकार ने 17 सितंबर को बुलाई सर्वदलीय बैठक, एजेंडे को लेकर हो सकती है चर्चा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सरकार ने 18 सितंबर से शुरू होने जा रहे संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र से पहले 17 सितंबर को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया, "इस महीने 18 सितंबर से शुरू होने वाले ससंद के सत्र से पहले 17 सितंबर को शाम साढ़े चार बजे सभी दलों के सदन के नेताओं की बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा, "इस संबंध में आमंत्रण संबंधित नेताओं को ई मेल से भेज दिये गए हैं। पत्र भी भेजे जायेंगे। लोकसभा एवं राज्यसभा सचिवालय ने हाल ही में अपने बुलेटिन में बताया था कि संसद का विशेष सत्र 18 सितंबर से शुरू होगा और सरकार के कामकाज को देखते हुए यह 22 सितंबर तक चलेगा। इसमें कहा गया है कि सत्र आमतौर पर पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर एक बजे और फिर अपराह्न दो बजे से शाम छह बजे तक चलेगा।श्इस सचिवालय सूत्रों के अनुसार विशेष सत्र के दौरान दोनों सदनों में प्रश्नकाल और गैर सरकारी कामकाज नहीं होगा। सरकार ने सत्र का एजेंडा अभी जाहिर नहीं किया है। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) ने इस सत्र को लेकर कहा है कि वह 18 सितंबर से बुलाए गए संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र में देश से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर सकारात्मक सहयोग करना चाहता है, लेकिन सरकार को यह बताना चाहिए कि कि बैठक का विशेष एजेंडा क्या है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र के दौरान देश की आर्थिक स्थिति, जातीय जनगणना, चीन के साथ सीमा पर गतिरोध और अडाणी समूह से जुड़े नए खुलासों की पृष्ठभूमि में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग समेत नौ मुद्दों पर उचित नियमों के तहत चर्चा कराई जाए।कांग्रेस ने संसद के विशेष सत्र के लिए एजेंडे की सूचना नहीं होने को लेकर बुधवार को एक बार फिर सवाल उठाया और कहा कि सत्र आरंभ होने में केवल पांच दिन शेष है।

मुठभेड़ में 3 बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे, नकदी–अवैध असलहा और 2 कार बरामद

एजेन्सी

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में जनपद बुलंदशहर में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई एक मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने तीन कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके कब्जे से लूटी हुई नकदी, दो कार व अवैध असलहा बरामद किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि 12ध्13 सितंबर 2023 की रात्रि में जनपद की स्वाट टीम व थाना देहात पुलिस भूड़ चौराहे पर चौकिंग कर रहे थे, तभी दो संदिग्ध कारें आती दिखाई दीं जिन्हें रूकने का इशारा करने पर कार चालक तेजी से भगा कर निकलने में कामयाब हो गए। पुलिस द्वारा इसकी सूचना अगले चेकिंग पोइंट को भेजने पर कोतवाली देहात पुलिस टीम ने ग्राम दोस्तपुर फ्लाईओवर के पास सर्विस रोड़ पर इन्हें घेर लिया।मिली जानकारी के मुताबिक, बदमाशों ने अपने को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस द्वारा जवाबी फायरिंग में अजय व रोहित नामक दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस द्वारा इन दोनों को कब्जे में लेने के साथ इनके तीसरे साथी को भी दबोच लिया जबकि एक अन्य भागने में सफल रहा। जिसकी कॉम्बिंग कर गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए घायल बदमाशों की पहचान जनपद के खुर्जा देहात क्षेत्र के ग्राम बादशाहपुर पचकाई निवासी अजय तथा थाना खुर्जा नगर क्षेत्र के मोहल्ला विकास नगर निवासी रोहित एवं जनपद अलीगढ़ के थाना टप्पल क्षेत्र के ग्राम हमीदपुर निवासी जोगेंद्र तोमर के रूप में की गई है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से लूटी हुई नकदी, 01 आधार कार्ड,अवैध असलहा, कारतूस व दो कार बरामद की है।

रक्षा मंत्री ने लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे हवाई क्षेत्र की नींव रखी

राजनाथ सिंह ने 2,941 करोड़ रुपये की लागत से सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्मित 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे हवाई क्षेत्र की नींव रखी। सिंह ने 2,941 करोड़ रुपये की लागत से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। इनमें जम्मू–कश्मीर के सांबा में बिश्नाह–कौलपुर–फूलपुर रोड पर अत्याधुनिक 422.9 मीटर देवक पुल और अरुणाचल प्रदेश में नेचिफू सुरंग और सेला सुरंग शामिल हैं। लेकिन भारत अपने सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को कैसे उन्नत कर रहा है? और ऐसा क्यों कर रहा है?न्योमा एयरफील्ड लद्दाख में बनेगा 13,400 फीट की ऊंचाई पर स्थित, न्योमा चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगभग 46 किलोमीटर दूर है। सीमा सड़क संगठन पूर्वी लद्दाख में रणनीतिक रूप से स्थित न्योमा बेल्ट में 218 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से हवाई क्षेत्र का निर्माण करेगा। मौजूदा न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड (ALG) का उपयोग चीन के साथ चल रहे गतिरोध के दौरान पुरुषों और सामग्रियों के परिवहन के लिए किया गया है – और इसमें चिनूक हेवी–लिफ्ट हेलिकॉप्टर और C–130J विशेष ऑपरेशन विमान का संचालन देखा गया है। एएलजी वास्तव में मिट्टी से बना एक रनवे है जो केवल चिनूक और C–130J विमान जैसे विशेष परिवहन विमानों को उतरने की अनुमति देता है। रक्षा सूत्रों ने कहा कि हवाई क्षेत्र में संबंधित बुनियादी ढांचे के साथ 2.7 किलोमीटर का कंक्रीट रनवे शामिल होगा। इस तरह के बुनियादी ढांचे में एक हैंगर और एक क्रैश बे आवास

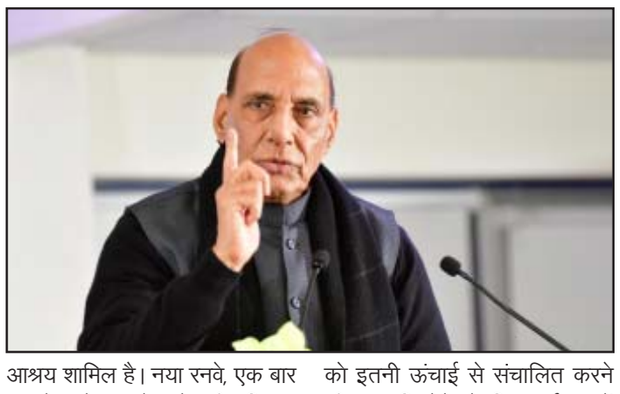

आश्रय शामिल है। नया रनवे, एक बार पूरा हो जाने पर न्योमा से भारी परिवहन शिल्प को संचालित करने की अनुमति देगा। काम 20 महीने से भी कम समय में पूरा हो जाएगा और लड़ाकू इंजनों को इतनी ऊंचाई से संचालित करने की अनुमति देने के लिए वर्तमान में उनमें बदलाव किया जा रहा है। यह हवाई क्षेत्र भारतीय सेना की रणनीतिक गहराई में इजाफा करेगा।

सम्पादकीय

सीबीआई: उच्च अफसर भी घेरे में आए

देश की प्रमुख जांच एजेंसी 'सीबीआई' को अब प्रशासन के उच्च से उच्चतम अधिकारी के खिलाफ जांच करने के लिए सरकार की अनुमति की आवश्यकता नहीं लेनी पड़ेगी और वह अपने विवेक व सबूतों के आधार पर सीधे जांच कर सकेगी। इस सन्दर्भ में 2014 में ही सर्वोच्च न्यायालय ने भाजपा नेता डा. सुब्रह्मण्यम स्वामी की याचिका पर फैसला दिया था कि 'दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना कानून–1946' में जिस धारा 6 ए(1) के तहत सरकारी सेवारत संयुक्त सचिव से ऊपर के अफसरों के खिलाफ जांच शुरू करने के ध्लिए सरकार की स्वीकृति जरूरी थी, उसे निरस्त किया जाता है। चूंकि यह धारा 11 सितम्बर, 2003 को तत्कालीन वाजपेयी सरकार के दौरान जोड़ी गयी थी अतः न्यायालय का फैसला पूर्व प्रभाव से लागू माना जायेगा। देश की सबसे बड़ी अदालत के सामने मुद्दा भी यही था कि क्या धारा 6 ए(1) का निरस्त्रीकरण तभी से लागू माना जायेगा या 2014 से? इस प्रश्न पर न्यायालय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने विचार करने के बाद यह फैसला दिया। न्यायमूर्ति एस.के. कौल के नेतृत्व में गठित पांच न्यायमूर्तियों की पीठ के समक्ष असल मुद्दा यही होने की वजह से फैसला भी इसी विषय पर केन्द्रित रहा है। संविधान पीठ ने अपने फैसले में संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों का हवाला देते हुए साफ किया कि जो कानून जिस तारीख से अवैध घोषित हुआ है, उसका क्रियान्वयन भी उसी तारीख से लागू होगा। सीबीआई का गठन भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री पं. जवाहार लाल नेहरू ने 1963 में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के तहत ही किया था। यह विशेष पुलिस कानून 1946 में अंग्रेज सरकार ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बनाया था क्योंकि 1939 से 1945 तक चले द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेना को विभिन्न वस्तुओं की सप्लाई में जमकर भ्रष्टाचार होने की खबरें आयी थीं। उस समय हालत यह हो गई थी कि सेना को अंडे तक सप्लाई करने वाले कारोबारी देखते–देखते ही करोड़पति बन रहे थे। मगर पं. नेहरू को सीबीआई गठित करने की जरूरत इसलिए पड़ी थी क्योंकि स्वतन्त्र भारत में उस समय विभिन्न राज्यों के ऊंचे पदों पर बैठे लोगों में (राजनैतिक नेताओं समेत) फैले भ्रष्टाचार की गूंज दिल्ली तक सुनाई पड़ने लगी थी। इसी से चिन्तित होकर नेहरू जी ने बड़े औहदों पर बैठे लोगों की जांच कराने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस कानून को पुनर्जीवित करते हुए इसे सीबीआई का नाम दिया था और कांग्रेस पार्टी का शुद्धिकरण करने हेतु 'कामराज प्लान' तैयार किया था जिसके अन्तर्गत सभी मुख्यमन्त्रियों व कैबिनेट मन्त्रियों के इस्तीफे लेकर नये सिरे से इन पदों पर नियुक्तियां की गई थीं। यह कार्य नेहरू ने तमिलनाडु के तत्कालीन मन्त्री श्री कामराज नाडार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना कर किया था जिन्होंने सभी ऊंचे पदों पर कांग्रेसियों को इस्तीफा देने का हुक्म दिया था। सीबीआई का लक्ष्य उसी दिन से भ्रष्टाचारियों को पकड़ने का हो गया था। इसका कार्यक्षेत्र बहुत व्यापक बनाया गया था जिससे राज्य सरकारों को भी इसकी मदद से उलझे हुए आपराधिक मामले सुलझाने में मदद मिल सके। इसके बाद से सीबीआई को देश की सर्वोच्च जांच एजेंसी का रुतबा इस प्रकार मिलता गया कि राज्य सरकारों से लेकर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय भी इसे विशिष्ट आपराधिक मामलों की जांच करने के आदेश देने लगे। इसकी प्रतिष्ठा भारत के लोगों के बीच बहुत ही ऊंचे पायदान पर रख देखी जाने लगी जिसमें पिछले तीन दशकों में बहुत गिरावट आई है। एक जमाना वह भी था कि लोगों को सीबीआई प्रमुख का नाम तक पता नहीं होता था क्योंकि सीबीआई की चर्चा सार्वजनिक विमर्श का मुद्दा नहीं बन पाती थी। मगर शुरू में सीबीआई कानून में धारा 6ए (1) नहीं थी, जिसमें संयुक्त सचिव से ऊपर के अफसर के खिलाफ मामला दर्ज करने से सरकार से सहमति लेने की जरूरत पड़े। यह धारा 2003 में ही वाजपेयी सरकार के दौरान ही जोड़ी गई थी। सीबीआई की संरचना के बारे में पहली बार देश की जनता को तब पता चला जब 90 के दशक में इसके प्रमुख श्री जोगेन्द्र सिंह बने। इससे पहले सीबीआई प्रमुख प्रेस या मीडिया से दूर ही रहते थे। मगर यह भी सत्य है कि तब तक सीबीआई देश के बहुत पेचीदा आपराधिक कांडों के पेंच खोल कर अपराधी को पकड़ने के लिए जानी जाने लगी थी लेकिन वर्तमान दौर में सीबीआई के पास इतने मामले जांच के लिए पड़े हैं कि इसकी कर्मचारी क्षमता कम समझी जाती है।

लोकतंत्र में श्राप का क्या काम?

भोपाल से भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा सदस्य प्रज्ञा ठाकुर, फिर से श्राप देती नजर आ रही हैं। इस बार वे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र उदयनिधि पर बरस पड़ी हैं जिन्होंने हाल ही में सनातन धर्म को मलेरिया और कोरोना के वायरस जैसा बतलाते हुए कहा था कि ये जितनी जल्दी नष्ट हो जायें उतना ही अच्छा। मंगलवार को भोपाल की भेल (बीएचईएल) कंपनी के गेट पर वेतन वृद्धि की मांग पर कर रहे ठेका श्रमिकों का अनशन खत्म करवाने पहुंची थीं। अपने भाषण में उन्होंने जूनियर स्टालिन के बयान को अभद्र तो बताया ही, कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मटन बनाये जाने पर उन्हें विधर्मी भी करार दिया। प्रज्ञा ने कहा कि, ये लोग (राहुल) कुछ भी कर सकते हैं– जनेऊ व तिलक लगा लेते हैं तो क्रॉस भी पहन सकते हैं। उनका गुस्सा यहीं तक नहीं ठहरा। उन्होंने कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला को कहा कि श्वे कहां के तोपचंद हैं जो किसी को श्राप देंगे?श सुरजेवाला ने भाजपा के मतदाताओं को राक्षसी प्रवृत्ति का बतलाया था। उदयनिधि के बयान के बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम के नेता ए राजा ने सनातन को कुष्ठ रोग व एड्स जैसा बतला दिया। एक्टर प्रकाश राज ने भी सनातन धर्म की तुलना डेंगू से कर दी थी। इन सभी को एकमुश्त श्राप देते हुए प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि श्प्रकाश राज नायक नहीं, खलनायक हैं।श उनका कहना था कि श्जिसे यह नहीं पता कि वह कहां रहता है और किसके खिलाफ बोल रहा है, वह खलनाक ही हो सकता है। आगे उन्होंने यह भी कहा कि श्जिसने सनातन धर्म को जैसा कहा, वह वैसा ही भोगे। जिसने इस धर्म को डेंगू कहा उसे डेंगू मिले, जिसने मलेरिया कहा उसे वही मिले और जिसने उसे कुष्ठ रोग कहा उसे भी वही प्राप्त हो।श उन्होंने इन सभी बयान देने वालों को उनके द्वारा उल्लेखित बीमारियां भरपूर मिलने की बात कही। प्रज्ञा ठाकुर द्वारा इस प्रकार किसी को श्राप देने का मामला पहला नहीं है। मालेगांव बम विस्फोट कांड की आरोपी प्रज्ञा ने महाराष्ट्र पुलिस के विशेष जांच दल प्रमुख हेमन्त करकरे के बारे में 2019 में बयान दिया था कि उनकी (करकरे) मौत इसलिये हुई थी क्योंकि उन्होंने करकरे को श्राप दिया था। साध्वी के अनुसार पुलिस कस्टडी में जांच के दौरान करकरे ने उन्हें प्रताड़ित किया था। वे कहती हैं– मैंने करकरे को कहा था कि तेरा सर्वनाश होगा। मेरे श्राप के कुछ ही दिनों के बाद 2008

में करकरे आतंकवादियों के हाथों मुंबई हमले के दौरान मारे गये थे। वैसे जब इस पर हंगामा हुआ तो उसका देश भर में विरोध हुआ था। अनेक वरिष्ठ सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी। इसके दबाव में उन्होंने अपना बयान यह कहकर वापस ले लिया कि इससे देश के दुश्मनों को फायदा हो रहा है इसलिये वे इसे वापस लेती हैं तथा माफी मांगती हैं। उन्होंने करकरे को इसलिये शहीद बतलाया कि आखिरकार उनकी हत्या तो आतंकवादियों द्वारा ही की गई है। उन्होंने अपने बयान को खुद का दर्द बतलाया। प्रज्ञा को मालेगांव विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया था जिसमें 6 लोग मारे गये थे और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। जिस मोटर साइकल के जरिये यह विस्फोट हुआ था वह उन्हीं के नाम पर पंजीकृत थी इसलिये उन्हें भी गिरफ्तार किया गया था। 9 साल तक जेल में बिताने के बाद उन्हें स्वास्थ्यगत कारणों से जमानत दी गई थी। उन्होंने तब भाजपा की सदस्यता ले ली और 2019 में उन्हें भोपाल से लोकसभा का टिकट मिला था। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को हराया था क्योंकि मामला हिंदुत्व के नैरेटिव पर लड़ा गया था। उस चुनाव के दौरान बझफीड न्यूज में उन पर लेख प्रकाशित हुआ था जिसका शीर्षक था–दी मोस्ट टॉक्सिक केंडिडेट इन दी वर्ल्ड्स बिगेस्ट इलेक्शन इज ए होली वूमेन हू वांट्स टू स्टार्ट ए रिलीजस वॉर विद मुस्लिम (दुनिया के सबसे बड़े चुनाव का सर्वाधिक जहरीला प्रत्याशी एक पवित्र महिला है जो मुस्लिमों के खिलाफ जंग छेड़ना चाहती है)। इसके पीछे कारण यह था कि प्रज्ञा ने महात्मा गांधी के हत्यारे को देशभक्त बताया था। इसका भी उल्लेख लेख में हुआ है। हालांकि इस पर शीर्ष नेतृत्व ने उनसे नाराजगी जताई थी। 18 साल की उम्र में संन्यास धारण करने वाली प्रज्ञा ठाकुर को 38 वर्ष की उम्र में मालेगांव कांड में गिरफ्तार किया गया था। 46 साल की होने पर उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टिकट दिया था। प्रज्ञा ठाकुर का विवादों से स्थायी नाता रहा है। उन्होंने इसी साल फरवरी में वक्फ बोर्डों पर सवाल उठाया था कि श्जब मुस्लिमों का वक्फ बोर्ड बन सकता है तो सनातन बोर्ड क्यों नहीं बन सकता? उन्होंने कहा था कि हिन्दू धर्म कानून पर चलता है लेकिन विडंबना है कि हिंदू मंदिरों के ट्रस्ट सरकार के हाथों में हैं। इन्हें मुक्त होना चाहिये और हिंदुओं का हिंदुओं के काम आना चाहिये। इनके धन का इस्तेमाल सनातन के विकास में होना चाहिये। इसके लिये सनातन बोर्ड बनना चाहिये जिससे हमारे मठ–मंदिर स्वतंत्र होंगे और इनमें भव्यता आयेगी। उन्होंने वक्फ बोर्डों पर आरोप लगाया कि वे जमीनें रख लेते हैं। जिन जमीनों को वे अपना बताते हैं जांच करने पर पता चलता है कि वे उनकी हैं ही नहीं। प्रज्ञा का आरोप था कि श्वक्फ बोर्डों की आड़ में माफिया पनप रहे हैं। धर्म को जब राजनीति से मिलाया जाएगा तो कुछ ऐसा ही विमर्श तैयार होगा जिसमें नफरत और हिंसा का प्राधान्य होगा, और फिर लोकतंत्र कोई पौराणिक आख्यान तो है नहीं जिसमें वरदान या श्राप की कोई भूमिका हो।

गौरवशाली हिंदी भाषा, साहित्य का वैश्विक आकाश

संजीव ठाकुर

हिंदी भाषा करोड़ों भारतीय के दिलों में बसी हुई भाषा है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है ष्राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक हैष् हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं जैसे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, श्री इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है। हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा षहिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं कियाष यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार–प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है। एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों मैं विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है ।अंग्रेजी भाषा रोजगार मूलक जरूर हो सकती है, पर केवल इसी कारण हिंदी की अवहेलना और उपेक्षा किसी भी स्तर पर तर्कसंगत नहीं है। भारतीयों को हिंदी के आत्म गौरव को विस्मृत नहीं करना चाहिए। हिंदी देश को भावनात्मक एकता के सूत्र में बांधे में सक्षम भारत की एकमात्र सशक्त भाषा है। हिंदी की गहराई तथा विशालता किसी बात से इंगित होती है कि भारतीय ग्रंथों और बड़े मूर्धन्य लेखकों की किताबों का अनुवाद विश्व की अनेक भाषाओं में किया गया है । और हिंदी की रामायण गीता रामचरितमानस वैश्विक स्तर पर पढ़ी जाती है। इसे राष्ट्रभाषा बनाकर शीर्ष में सम्मान देने की आवश्यकता है। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने हिंदी की प्रगति के लिए कुछ पंक्तियां कही है जो आज भी उल्लेखनीय है, निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल,बृज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल। जय हिंदी जय हिंदुस्तान हिंदी भाषा अमर रहे।

गर्मजोशी के रिश्ते

दिल्ली में संपन्न जी–20 शिखर वार्ता की सफलता से भारत ने खूब वाहवाही पायी। वहीं सम्मेलन की समाप्ति के बाद राजकीय यात्रा पर भारत आए सऊदी क्राउन प्रिंस की उपस्थिति में तमाम समझौते इस सम्मेलन के एक बोनस की तरह हैं। सऊदी अरब के साथ भारत के रिश्ते सदाबहार रहे हैं। लेकिन निवेश व अन्य मोर्चों पर साझेदारी ने रिश्तों को और गहराई दी है। वास्तव में हाल के वर्षों में प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जो निकटता बढ़ी है, उसका प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति पर भी नजर आया है। हाल के दिनों में अमेरिका से सऊदी अरब के रिश्तों में खटास जगजाहिर है। जी–20 सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व प्रिंस सलमान के मिले हाथों को थामे प्रधानमंत्री के हाथों वाला चित्र अंतर्राष्ट्रीय राजनय में चर्चा का विषय रहा। बहरहाल, भारत और सऊदी अरब के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता के ठोस परिणाम सामने आए। इस दौरान सार्वजनिक उपक्रमों व निजी क्षेत्रों के बीच पचास महत्वपूर्ण समझौते हुए। हाल के दिनों में जहां भारत से सऊदी अरब को निर्यात बढ़ा, वहीं आयात में भी खासी वृद्धि हुई। ऐसे दौर में जब कोरोना संकट व रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकोले खा रही है। इससे पहले भी जब 2019 में प्रिंस सलमान भारत आए थे तो उन्होंने सौ अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। अब इस दिशा में साझा टास्क फोर्स बनाने की घोषणा दिल्ली वार्ता में हुई है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी खाड़ी देशों से बेहतर संबंध बनाने को अपनी प्राथमिकता देते रहे हैं। वे पिछले कुछ वर्षों में दो बार सऊदी अरब का दौरा भी कर चुके हैं। निस्संदेह, मध्यपूर्व में एक बड़ी ताकत होने के कारण सऊदी अरब से बेहतर रिश्तों के खास मायने हैं। कहीं न कहीं इस्लामिक देशों पर खासे प्रभाव वाले सऊदी अरब को भारत पाक पर दबाव बनाने वाले सहयोगी के रूप में भी देखता है। जिसके जरिये पाक के निरंकुश व्यवहार पर नकेल कसी जा सके। हाल के वर्षों में भारत–सऊदी अरब के बीच सालाना व्यापार का पांच हजार करोड़ डॉलर तक पहुंचना दोनों देशों के बीच बेहतर होते रिश्तों की बानगी है। कई बड़ी भारतीय कंपनियों ने पिछले दिनों सऊदी अरब में दो सौ करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया। वहीं सऊदी अरब की कंपनियां दो साल पहले तक तीन सौ करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारत में कर चुकी थीं। दरअसल, प्रिंस सलमान सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में आमूल–चूल परिवर्तन करके उस टैग को हटाना चाहते हैं कि वह सिर्फ तेल से चलने वाली अर्थव्यवस्था है। तभी वे उत्पादन, पर्यटन, तकनीक आदि के क्षेत्र में बड़े निवेश को आमंत्रित करते हुए भारत को एक भरोसेमंद सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। भारत भी सऊदी अरब के लिये उभरते बाजार के रूप में निवेश का भरोसेमंद स्थल है। जब भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की ओर बढ़ने का उद्घोष करता है तो निवेशकों के लिये एक भरोसा पैदा होता है। वहीं दूसरी ओर भारतीय प्रतिभाओं व तकनीशियनों से भी सऊदी अरब को खासी उम्मीद है। जिसके जरिये वह अपने 2030 के विजन को यथार्थ में बदल सके। जिसमें उसकी महत्वाकांक्षी 'इको–सिटी' बसाये जाने की योजना भी शामिल है। यही वजह कि ग्लोबल कम्युनिटी का हिस्सा बनने को आतुर सऊदी अरब भारत जैसे देशों से संबंध मजबूत कर रहा है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र में सऊदी अरब के सहयोग से बनने वाला महत्वाकांक्षी 'वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स प्रोजेक्ट' दोनों देशों के बेहतर होते संबंधों की बानगी है। दूसरी ओर जी–20 सम्मेलन में जब प्रधानमंत्री ने 'इंडिया–मिडिल ईस्ट–यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर' की घोषणा की तो इसमें सऊदी अरब की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई। इस प्रोजेक्ट को चीन के 'बेल्ट एंड रोड परियोजना' के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। बहरहाल, प्रिंस सलमान की वह टिप्पणी सुखद अहसास कराती है जिसमें उन्होंने कहा था कि सऊदी अरब की आबादी का सात फीसदी हिस्सा भारतीयों का है, जिनका वे अपने नागरिकों की तरह ख्याल रखते हैं। निस्संदेह, दोनों देशों के बीच हुए हालिया समझौते संबंधों को नये आयाम देंगे।

11/9 है इतिहास के सबसे चर्चित भाषण का दिन

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ व्याख्यानों में से एक, स्वामी विवेकानंद जी के भाषण की तारीख 11 सितंबर। क्या था वो भाषण जिसने अमेरिका को नहीं पूरे पश्चिम को भारत का मुरीद बना दिया। नरेंद्र नाथ दत्त, जिन्हें पूरा विश्व विवेकानंद के नाम से याद करता है। 11ध्9 क्यों याद किया जाना चाहिए, क्योंकि उस दिन भारत के एक युवा सन्यासी ने पश्चिम के सूट–बूट वालों को बौना साबित किया था। क्योंकि उस दिन सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित किया गया था। सितंबर 11 को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद किया जाना चाहिए। विध्वंस के लिए नहीं विश्व शांति के लिए याद किया जाना चाहिए। आतंकवाद के लिए नहीं, सनातन संवाद के लिए याद किया जाना चाहिए। लादेन के लिए नहीं, नरेंद्र के लिए याद किया जाना चाहिए। विवेकानंद के संवाद का ये जादू शब्दों के पीछे छिपी चिर –पुरातन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, अध्यातम व उस युवा के त्यागमय जीवन का था। जो शिकागो से निकला व पूरे विश्व में छा गया। उस भाषण को आज भी दुनिया भुला नहीं पाती। इस भाषण से दुनिया के तमाम पंथ आज भी सबक ले सकते हैं। इस अकेली घटना ने पश्चिम में भारत की एक ऐसी छवि बना दी, जो आजादी से पहले और इसके बाद सैकड़ों राजदूत मिलकर भी नहीं बना सके। स्वामी विवेकाननंद के इस भाषण के बाद भारत को एक अनोखी संस्कृति के देश के रूप में देखा जाने लगा। अमेरिकी प्रेस ने विवेकानंद को उस धर्म संसद की महानतम विभूति बताया था। और स्वामी विवेकानंद के बारे में लिखा था, उन्हें सुनने के बाद हमें महसूस हो रहा है कि भारत जैसे एक प्रबुद्ध राष्ट्र में मिशनरियों को भेजकर हम कितनी बड़ी मूर्खता कर रहे थे। यह ऐसे समय हुआ, जब ब्रिटिश शासकों और ईसाई मिशनरियों का एक वर्ग भारत की अवमानना और पाश्चात्य संस्कृति की श्रेष्ठता साबित करने में लगा हुआ था। अतीत को पढ़ो, वर्तमान को गढ़ो और आगे बढ़ो यही विवेकानंद जी का मूल संदेश रहा। जो समाज अपने इतिहास एवं वांग्मय की मूल्यवान चीजों को नष्ट कर देता है, वह निष्प्राण हो जाते हैं और यह भी सत्य है कि जो समाज इतिहास में ही डूबे रहते हैं, वह भी निष्प्राण हो जाते हैं। वर्तमान समय में तर्क और तथ्य के बिना किसी भी बात को सिर्फ आस्था के नाम पर आज की पीढ़ी के गले नहीं उतारा जा सकता। भारतीय ज्ञान को तर्क के साथ प्रस्तुत करने पर पूरी दुनिया आज उसे स्वीकार करती हुई प्रतीत भी हो रही है। विवेकानंद ने 11 सितंबर 1893 शिकागो भाषण में इस बात को चरितार्थ भी करके दिखाया था। जहां मंच पर संसार की सभी जातियों के बड़े – बड़े विद्वान उपस्थित थे। डॉ. बरोज के आह्वान पर 30 वर्ष के तेजस्वी युवा का मंच पर पहुंचना। भाषण के प्रथम चार शब्द 'अमेरिकावासी भाइयों तथा बहनों' इन शब्दों को सुनते ही जैसे सभा में उत्साह का तूफान आ गया और 2 मिनट तक 7 हजार लोग उनके लिए खड़े होकर तालियाँ बजाते रहे। पूरा सभागार करतल ध्वनि से गुंजायमान हो गया। उम्र महज 39 वर्ष, अपनी मेधा से विश्व को जीतने वाले, युवाओं को अंदर तक झकझोर कर रख देने वाले, अपनी संस्कृति व गौरव का अभिमान विश्व पटल पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद जिनमें सब कुछ सकारात्मक है नेगेटिव कुछ भी नहीं। कल्पना कीजिए विवेकानंद के रुप में उस एक नौजवान की। गुलामी की छाया न जिसके विचार में थी, न व्यवहार में थी और न वाणी में थी। भारत माँ की जागृत अवस्था को जिसने अपने भीतर पाया था।

ऐसा एक महापुरुष जो पल–दो पल में विश्व को अपना बना लेता है। जो पूरे विश्व को अपने अंदर समाहित कर लेता है। जो विश्व को अपनत्व की पहचान दिलाता है और जीत लेता है। वेद से विवेकानंद तक, उपनिषद से उपग्रह तक हम इसी परंपरा में पले बढ़े हैं। उस परंपरा को बार–बार स्मरण करते हुए, सँजोते हुए भारत को एकता के सूत्र में बांधने के लिए सद्भावना के सेतु को जितना बल हम दे सकते हैं, उसे देते रहना होगा। विवेकानंद के जीवन को पढ़ने से ही रोंगटे खड़े हो जाते है। कैसे एक बालक विवेकानंद, योद्धा सन्यासी विवेकानंद के रुप में पूरे विश्व की प्रेरणा बन गया। स्वामी विवेकानंद का सम्पूर्ण जीवन बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व का धनी रहा है। हमारे आज के जो सरोकार हैं, जैसे शिक्षा, भारतीय संस्कृति का सही रूप, व्यापक समाज सुधार, महिलाओं का उत्थान, दलित और पिछड़ों की उन्नति, विकास के लिए विज्ञान की आवश्यकता, सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों की आवश्यकता, युवकों के दायित्व, आत्मनिर्भरता, स्वदेशी का भाव, भारत का भविष्य आदि।

आज का राशि फल

मेष :– आर्थिक प्रगति के लिए मन नई–नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

बृषभ :– सुंदर भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में दुविधाग्रस्त होंगे। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा।

मिथुन :– असीम प्रतिभाओं के बावजूद हीनता प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। नौकरी का माहौल अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन भी संभव।

कर्क :– आपकी सारी समस्याएं खुद–ब–खुद सुलझ जाएंगी, थोड़ा वक्त का इंतजार करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सिंह :– बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्या :– पारिवारिक संबंधों में कटुता जैसी स्थिति न आने दें। दूसरों की बात इधर–उधर न करें तथा निर्थक दूसरों की आलोचना भी न करें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव।

तुला :– कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। वृश्चिक :– किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

धनु :– दूसरों की आलोचना का असर अपने मनोबल पर न पड़ने दें। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से प्रसन्न होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से खुश होंगे।

मकर :– कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेगी। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

कुंभ :– नैतिक–अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। क्षमताओं पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। आलस्य न करें।

मीन :– राजनीतिज्ञों की सरगर्मियां बढ़ेगी। रोजगार में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे परन्तु आवेश में कोई निर्णय न लें। जीविका क्षेत्र में नये आयाम आपको उत्साहित करेंगे। घर में प्रसन्नता रहेगी।

हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें: प्रो. रणजीत कुमार पाण्डेय

हिंदी दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज,समोधपुर में हिंदी दिवस के अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर रणजीत कुमार पांडेय की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी आयोजित की गई।संगोष्ठी में बोलते हुए प्राचार्य प्रो.रणजीत कुमार पाण्डेय ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है,इसका प्रयोग अधिकाधिक होना चाहिए।राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह ने हिंदी के महत्व को बताते हुए हिंदी भाषा की उदारता और विशिष्टता पर चर्चा की और कविता पाठ भी किया।बी. एड.विभागाध्यक्ष डॉ पंकज सिंह ने कहा कि आज के दिन हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम हिंदी में ही बात करें ।हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.जितेंद्र सिंह ने हिंदी भाषा और साहित्य के उद्भव और विकास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संविधान में हिंदी के उल्लिखित प्रावधान की चर्चा की। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ नीलू सिंह ने हिंदी के निरंतर विकास के बारें में बताया।उन्होंने कविता पाठ भी किया।संगोष्ठी का संचालन डॉ अविनाश कुमार वर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ आलोक प्रताप सिंह विसेन ने किया। इस अवसर पर श्री विष्णुकांत त्रिपाठी, श्री विकास कुमार यादव, श्रीमती नीलम सिंह, श्री जितेंद्र कुमार बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी दिवस पर हुआ विचार संगोष्ठी का आयोजन

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

पाली–(हरदोई)' कस्बे में स्थित सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के होनहार छात्रध्छात्राओं ने हिंदी दिवस पर अपनी मात्र भाषा हिंदी को लेकर अपने अपने सुविचार व्यक्त किये। कक्षा 12 ग का होनहार छात्र अभिनव दीक्षित ने बहुत ही सुंदर ढंग से हिंदी दिवस के अवसर पर अपने विचारों को व्यक्त करते हुए बताया कि हिंदी को लेकर करीब तीन साल तक बहस चलती रही ।इस दौरान तमाम जानकारों और विद्वानों ने अपने पक्ष रखे। लंबी बहस और चर्चा के बाद आखिरकार मुंशी आयंगर फार्मूले वाले समझौते पर मुहर लगी। 14 सितम्बर 1949 को एक कानून बनाया गया,जिसमें हिंदी को राष्ट्र भाषा नहीं बल्कि राजभाषा का दर्जा दिया गया। अनुच्छेद 351 और 343 में इसे परिभाषित किया गया। इसमें कहा गया कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवानागरी होगी। भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में हिंदी भाषा बोली जाती है। वहीं 12 ब की छात्रा दिव्या अवस्थी ने आसान होते हैं संवाद जब कथन हिंदी में कहती हूँ,और लगे प्यारी मुझे ये ,जब हर शब्द इसका लिखती हूँ।कविता के माध्यम से बड़े दी रोचक ढंग से अपने विचारों को व्यक्त किया। साथ ही छात्रा शालिनी मिश्रा ने मां की ममता है हिंदी ,पिता की छाया है हिंदी,भारत की पहचान और भारत माँ की शान है हिंदी कविता के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त किया,हिंदी दिवस के अवसर पर भावना,साक्षी,निशा,गौरी,छात्र सिद्धार्थ कुशवाहा ने विचार संगोष्ठी में अपने विचारों को व्यक्त करते हुए सभी को हिंदी दिवस शुभकामनाएं दीं। शिक्षक विजय कुमार यादव ने विचार संगोष्ठी में हिंदी दिवस पर बच्चों को विस्तार से हिंदी भाषा व अन्य भाषाओं के बारे में बताया और कहा कि सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए।क्योंकि किसी एक भाषा के ज्ञान से आप ज्ञानी नहीं बन सकते। हिंदी हमारी मात्र भाषा होने के साथ साथ हमें भारतीय संस्कृति के बारे जानकारी देती है और हिंदी भाषा जीवन में प्रेरणादायी सिद्ध हुई है। साहित्य कारों की रचनाओं के बारे में भी बच्चों को बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि हिंदी दुनिया की तीसरी भाषा है।जो सबसे ज्यादा बोली जाती है। भारत में हिंदी बोलने वालों की संख्या की बात करें तो 2011 की जनगणना के मुताबिक करीब 43 फीसदी लोग हिंदी बोलते हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा बंगाली और मराठी बोली जाती है। प्रधानाचार्य ने विचार संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी भाषा हमारी मां है यदि हम अपनी माँ का सम्मान नहीं कर सकते तो फिर हम किस मां का सम्मान करेंगे। हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने बच्चों को हिन्दी के गीत, कविताएं, याद करना, सुप्रभात बोलना आदि सिखाने व हिंदी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि हमारे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीयअटल बिहारी बाजपेई ने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण दिया था। उनका हिंदी में दिया गया भाषण इतना लोकप्रिय माना गया कि आज तक संयुक्त राष्ट्र संघ में इतना लोकप्रिय भाषण और कोई नहीं माना गया। हिंदी को उन्होंने भारतीय संस्कार एवं हिंदी कोई धर्म विशेष की भाषा नहीं है। हिंदी भाषा बहु भाषाओं का मेल है। हिंदी भारत की पहचान है। हिंदी को आसान भाषा बताते हुए प्रधानाचार्य ने कहा कि हिंदी बोलिये,सुनिये पढ़िए, लिखिए, और आसानी से हिंदी सीखने के और भी गुर बताये। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्विवेदी जी ने कार्यक्रम के संयोजक हिंदी के प्रवक्ता राजेश प्रकाश मिश्रा, प्रदीप कुमार मिश्रा को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विचार संगोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं साथ ही प्रतिभागी बच्चों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरस्कृत करने की घोषणा की।

धूमधाम से मनाया गया बीजेपी नेता बच्चा भैया का जन्मदिन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चौकियां धाम विकास समिति व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा नेता व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट का जन्मदिन माता शीतला माता मंदिर चौकियां धाम में सामाजिक समरसता दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया।

उक्त अवशर पर माताराानी शीतला माता मंदिर व भैरव बाबा मंदिर का भव्य श्रृंगार किया गया जो लोगो का मन मोह ले रहा था , पूरे मंदिर का भव्य सजावट किया गया व माता रानी का भव्य आरती हुआ व भजन संध्या कार्यक्रम प्रसिद्ध कलाकार अवनींद्र तिवारी, अवदेश पाठक मधुर, गुलाब राही, पंकज यादव त्यागी,संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, मृदुल माहिया, अनिल सोनी नटखट, चंदन सोनी, अनूप शाहू,इम्तियाज सागर, अंकित चंद्रा, साउंड सिस्टम पर अमित श्रीवास्तव, की टीम ने वातावरण को मातामय बना दिया उपस्थित लोग झूम उठे।

कार्यक्रम में पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री गिरीश चन्द यादव जी ने कहा कि माता चौकियां धाम के विकास कार्य में कोई कमी नहीं होने दिया जाएगा यहां कई विकास कार्य हुए हैं और कराया जाएगा और कहाँ की आज माता शीतला माता की कृपा से आज यहां तक पहुंचने का मौका मिला है चौकियां धाम के विकास कार्य के लिए आजीवन कार्य करूंगा और शीघ्र ही चौकियां धाम विश्व पटल पर्यटन के नक्शे पर होगा।

मंत्री जी ने बच्चा भइया को अंगवस्त्र भेंट कर शुभकामनाएं दिया।

विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि चौकियां धाम में आना ही सौभाग्य है सभी तीर्थस्थल पर विकास कार्य के लिए मोदीजी व योगीजी सरकार लगातार कार्य कर रही हैं और करती रहेगी।

उक्त अवशर पर वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार श्रीवास्तव, दीवानी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र नाथ उपाध्याय, जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता श्याम बाबू यादव,जिला महामंत्री भाजपा ई अमित श्रीवास्तव भाजपा नेता सुधांशु सिंह, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष नरेंद्र उपाध्याय, भाजपा महामंत्री नगर विकास पंडा, भाजपा नेता कृष्ण कुमार जायसवाल मुन्नू, डॉ नीलेश श्रीवास्तव, उमेश चन्द श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी राकेश कुमार श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव,कर्मचारी नेता राकेश कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ पत्रकार संजय अस्थाना, वरिष्ठ पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद जायसवाल,रवि श्रीवास्तव, भाजपा नेता महेंद्र गुप्ता नीलमणि श्रीवास्तव, श्याम रत्न श्रीवास्तव,संजय श्रीवास्तव ए डी जी सी क्रिमिनल, मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, दीपक मिश्रा, राकेश श्रीवास्तव साधु,उमाकान्त श्रीवास्तव प्रिंसीपल,ओम प्रकाश शाही प्रिंसिपल, दया शंकर निगम,राजीव श्रीवास्तव एल आई सी, काशी माली, दिनेश गिरी,संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, निखिल सिंह, अजय वर्मा अज्जू, शरद श्रीवास्तव, संतोष निगम,भाजपा नेता मनीष सेठी, भाजपा नेता मनीष श्रीवास्तव, बाबा भैरव नाथ मंदिर के महंत राधेश्याम महाराज,प्रदीप श्रीवास्तव, गिरिजेश श्रीवास्तव, राजू पुजारी, शिव कुमार पंडा, भगत चाचा, सोंटी जायसवाल,मनोज हलवाई सहित आदि विभिन्न संगठनों के लोगो ने भाग लिया।

अंत में राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट ने आये हुए सभी लोग का आभार व्यक्त किया।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहे उमानाथ सिंह: कलराज मिश्र

विराट था उमानाथ सिंह का व्यक्तित्व: गिरीश

मुख्यमंत्री के मन में उमानाथ के प्रति अटूट श्रद्धा: दिनेश प्रताप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्व. उमानाथ सिंह नैतिक मूल्य, चारित्रिक दृढ़ता एंव संघर्षशीलता के प्रतीक थे। वे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति पूर्णतः समर्पित रहे। उक्त उद्गार राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने उमानाथ सिंह स्मृति सेवा संस्थान के तत्वाधान में तिलकधारी महाविद्यालय के बलरामपुर सभागार में पूर्व मंत्री स्व. उमानाथ सिंह की 29वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में मुख्य अभ्यागत के रूप में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा समाचार पत्रों पर हल्ला बोल किया जा रहा था, जबरर्दस्ती दुकानों को बंद कराया और लूटा जा रहा था। जनता के मूल अधिकारों का दमन किया जा रहा था तब उमानाथ सिंह घर से बाहर निकले। कोतवाली में पहुंचे वहां कोतवाल से झड़प हुई वहीं हृदयाघात हो गया और वे कर्तव्य की बलिबेदी पर शहीद हो गये। श्री मिश्र ने कहाकि उमानाथ सिंह गोरखपुर आते जाते थे वहीं संगठन कार्य के दौरान उनसे भेंट होती थी। उमानाथ सिंह से इतनी घनिष्ठता हो गयी कि जब भी वे जौनपुर आते तो उमानाथ सिंह के घर पर रूकते। मुख्य अभ्यागत ने कहाकि लोग मूल अधिकारों की बात तो करते हैं परंतु संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों की प्रायः उपेक्षा करते हैं। मूल कर्तव्यों के अर्न्तगत नारी सम्मान, राष्ट्र सेवा, अहिंसा, पर्यावरण संरक्षण, मर्यादापूर्ण आचरण जैसे जिन बिंदुओं पर चर्चा की गयी है वे सभी गुण स्व. उमानाथ सिंह के व्यक्तित्व में विद्यमान थे। राज्यपाल ने कहाकि उमानाथ सिंह के दूसरे दलों के नेताओं से भी अच्छे संबंध थे। वर्तमान में राजनीतिक मर्यादाएं तार–तार हो रही है। इसे बचाने हेतु उमानाथ सिंह जैसे लोगों की आवश्यकता है। उनके व्यक्तित्व से राजनीति एवं समाज सेवा करने वालों के लिये मार्गदर्शन प्राप्त करना चाहिये। उन्होंने उमानाथ सिंह से संबंधित अनेक प्रसंगों का उल्लेख किया। समारोह में विशिष्ट अभ्यागत के रूप में पधारे राज्यमंत्री गिरीशचन्द्र यादव ने कहाकि उमानाथ सिंह का व्यक्तित्व विराट था। विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने की उनमें अद्भुद क्षमता थी। उन्होंने कहाकि प्रदेश के किसी भी कोने में जाने पर वहां के लोग स्व. उमानाथ सिंह की चर्चा अवश्य करते थे।इससे उनके व्यक्तित्व का आंकलन किया जा सकता है। समारोह के दूसरे विशिष्ट अभ्यागत राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहाकि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मन में स्व. उमानाथ सिंह के प्रति अटूट श्रद्धा रही होगी कि उन्होंने जौनपुर के मेडिकल कालेज का नामकरण ही उनके नाम पर कर दिया। समारोह की अध्यक्षता कर रही राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी ने कहाकि उमानाथ सिंह के निधनसे जो स्थान रिक्त हुआ वह आज भी पूरा नहीं हो सका। उन्होंने कहाकि स्व. सिंह के सानिध्य में कार्य नहीं कर पाने का दुख उन्हे आजीवन रहेगा। आंगन्तुकों का अभिवादन प्रतापगढ़ के पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह तथा समारोह संचालन पूर्व प्राचार्य डा. समरबहादुर सिंह ने किया। आभार ज्ञापन उमानाथ सिंह स्मृति सेवा संस्थान के सचिव एवं तिलकधारी महाविद्यालय के प्रबंधक राघवेन्द्र सिंह ने किया। आभार ज्ञापन करते समय वे इतने भावुक हो उठे कि उनके नेत्रों से अश्रु छलक पड़े। उक्त अवसर पर पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, विधायक रमेश सिंह, डा. धर्मराज सिंह, संत प्रसाद राय, वीरेन्द्र सिंह एडवोकेट, राजबहादुर सिंह, दुष्यंत सिंह, काली प्रसाद सिंह, भाजपा के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, सरदार सिंह, सुशील कुमार उपाध्याय, हरिश्चन्द्र सिंह, सभाजीत द्विवेदी प्रखर, डा. सूर्यप्रकाश सिंह मुन्ना, डा. राजीव प्रकाश सिंह, पूर्व प्राचार्य डा. उदयपाल सिंह, डा. राधेश्याम सिंह, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप, इंजीनियर देवेन्द्र प्रताप सिंह, , ओमप्रकाश सिंह, तिलकधारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो (डा.) आलोक सिंह, डॉ.हरिओम त्रिपाठी डॉ विजय सिंह पूर्व अध्यक्ष शिक्षक संघ, डॉ अरुण चतुर्वेदी डॉ विपिन कुमार सिंहसुधाकर उपाध्याय, बेहोश जौनपुरी आदि उपस्थित रहे।

प्रणवम् स्कूल में बड़े ही सरल भाषा का दिवस मनाया गया

हिंदी दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने हिंदी कविताओं को की प्रस्तुत

सुजानगंज जौनपुर

प्रणवम् स्कूल सुजानगंज में मनाया गया हिंदी दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि "राजनीति की पाठशाला" के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश व मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी डॉ प्रमोद के सिंह ने प्रणवम् स्कूल के छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस दिन भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदू भाषा को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा घोषित किया था। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया। हालांकि इसे 26 जनवरी 1950 को देश के संविधान द्वारा आधिकारिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करने के विचार को मंजूरी दी गई। हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करने के दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।हिंदी दिवस हमें देशभक्ति भावना के लिए प्रेरित करता है। आज के समय में अंग्रेजी की ओर एक झुकाव है जिसे समझा जा सकता है क्योंकि अंग्रेजी का इस्तेमाल दुनिया भर में किया जाता है और यह भी भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक है। यह दिन हमें यह याद दिलाने का एक छोटा सा प्रयास है कि हिंदी हमारी आधिकारिक भाषा है और बहुत अधिक महत्व रखता है।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री विजय शंकर दूबे ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी मातृभाषा का ऋण उतारने के लिए एकजुट होकर हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करने के लिए राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री से अनुरोध करना चाहिए तथा संसद को इस पर पुनः विचार करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलदीप पाण्डेय ने कहा हमें अपनी मातृभाषा के सम्मान के लिए हिंदी भाषा में सभी राजकाज करना चाहिए तथा अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए। वक्ताओं के क्रम में अजीत शर्मा,सोनाक्षी तिवारी,दिव्या तिवारी आदि वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया । इस अवसर पर पंकज सिंह,पंकज मणि तिवारी,सुनीता सोनी नीलम सोनी,नीता तिवारी,अस्मिता शुक्ला, निशा बानो,वंदना जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

हिंदी दिवस के अवसर पर हुआ बाल कवि सम्मेलन

बाल कवियित्रियों ने बांधा समां

सुजानगंज जौनपुर

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर रघुवीर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विराट बाल कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राएं कवियित्री के रूप में काव्य पाठ किया। अपने काव्य पाठ के माध्यम से कवियित्रियों ने श्रोताओं का मन मोह लिया । उपस्थित कवियित्रियों में प्रमुख रूप से रागिनी पटेल, सोनम, राधिका, प्रतिमा, प्रतीक्षा, एकता, कोमल मिश्रा, फलक खान, एकता मौर्य, सुमन आदि ने अपनी कविताओं का पाठ किया। जिसमें कोमल मिश्रा नारी सशक्तिकरण पर काव्य पाठ कर श्रोता जनों का दिल जीत लिया। हिंदी दिवस कार्यक्रम के आयोजक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी सभी कवियित्रियों को हिंदी दिवस पर स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। विराट बाल कवि सम्मेलन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कवि अमरनाथ सिंह मोही ने बाल कवियों का उत्साहवर्धन किया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विनोद कुमार तिवारी ने सभी बच्चों को आशीर्वचन प्रदान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया। हिंदी दिवस समारोह के संयोजक डॉ0 सोहनलाल व डॉ0 नागेंद्र प्रसाद यादव ने अपने काव्य पाठ के माध्यम से सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की छात्रा रोशनी शेख ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के प्राध्यापक अनिल पटेल, रवि कुमार सरोज, विकास शर्मा, मोहम्मद गफ्फार, रजनी सिंह, डॉ0 सुदर्शन यादव, व बी0एड विभागाध्यक्ष डॉ0 शारदा प्रसाद सिंह, अभिषेक मिश्रा, अनिल कुमार, सुश्री प्रीति चौबे, विक्रम सिंह, राकेश तिवारी, जितेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' आज 14 सितंबर को हिंदी दिवस पर सनातन धर्म इ0 का0 में प्रभारी प्रधानाचार्य अनिल अम्बेडकर द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर हिन्दी दिवस

कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। छात्र अर्पित अवस्थी ने हिन्दी की महत्ता के बारे में जानकारी दी। प्रीति सिंह, देवेश पाण्डेय, राजीव यादव, सत्यम दीक्षित, आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात व्यक्तिगत स्वच्छता पर छात्रों द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें काफी बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक अभिषेक अग्निहोत्री, नीलम, अनिल पाल आदि ने निबंध प्रतियोगिता समपन्न कराई।

प्रान्तीय अध्यक्ष का पेंशनरों के लिए बलिदान व्यर्थ नही जायेगा।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ, 13 सितंबर। ईपीएस–95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति उ0प्र0 के प्रान्तीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार श्रीवास्तव का कल निधन हो गया था, पिछले दिनों गोरखपुर में पेंशनरों की एक विशाल सभा को संबोधित करने के बाद उनका स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया था।

समिति के राष्ट्रीय,प्रान्तीय एवं मंडल के पदाधिकारियों ने आज लखनऊ में चारबाग बस स्टेशन पर शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में विस्तार से बताया गया कि कैसे प्रदीप जी ने उत्तर प्रदेश में पेंशनरों से सम्पर्क कर इतना विशाल संगठन बनाया और अन्त समय तक पेंशनरों को संगठित कर उनके कल्याण के लिए कार्य करते रहे। उपस्थिति सभी पदाधिकारियों ने प्रण लिया कि इस आन्दोलन को अन्त तक पहुंचाएंगे और प्रदीप जी के बलिदान को व्यर्थ नही जाने देंगें। सभा में उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। सभा में सर्वश्री के एस तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राज शेखर नागर प्रान्तीय महामंत्री, राजीव भटनागर मुख्य समन्वयक, पी के श्रीवास्तव, आर एन द्विवेदी, दिलीप पांडे, उमा कांत सिंह, सुभाष चौबे, राजेश तिवारी,आर सी मिश्रा, राजेश द्विवेदी, आर के उपाध्याय, अरविन्द श्रीवास्तव आदि ने अपने विचार व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी।

जिला अस्पताल स्थित पोल में उतरे करंट की चपेट में आया बच्चा

विधुत आपूर्ति ठप्प होने पर आपरेशन सहित अन्य कार्य रहा प्रभावित

अयोध्या। गुरुवार को जिला चिकित्सालय परिसर में स्थित ब्लड बैंक के पास उस समय हड़कंप मच गया जब वहां पर स्थित बिजली के पोल में करेंट उतरने से एक बच्चा उसकी चपेट में आ गया।बताते चलें कि जिला चिकित्सालय परिसर में ब्लड बैंक के समीप स्थित बिजली के खंभे करंट उतरने के चलते मवई थाना क्षेत्र के बघेड़ी गांव निवासी अमरेश का छः वर्षीय पुत्र रितिक उसकी चपेट में आने से पोल में चिपक गया।गनीमत यह रही कि आसपास के लोगों की निगाह जब उस बच्चे पर पड़ी तो वहां पर मौजूद रवि कांत ने सूझबूझ का परिचय देते हुए उसने उक्त बच्चे को अंगौछे से छुड़ाया।उसके बाद उसने इस घटना की जानकारी जिला चिकित्सालय के कर्मियों को देकर विधुत आपूर्ति ठप्प करवाया और बिना देरी किए पीड़ित बच्चे को इमरजेंसी के ओपीडी कक्ष में ले गया।वही थोड़ी देर तक बिजली न होने के चलते आपरेशन सहित अन्य कार्य प्रभावित रहा।वही उस बच्चे का इलाज कर रहे डाक्टर विपिन वर्मा ने बताया कि अब बच्चे की हालत सामान्य है।मालूम हो कि पीड़ित रितिक के माता–पिता गुरुवार को इलाज कराने जिला अस्पताल आए थे।वे जब चिकित्सक को दिखाने के बाद परिवार अस्पताल परिसर स्थित ब्लड बैंक के पास छाया में बैठकर आराम कर रहा था।तभी उनका 6 वर्षीय पुत्र रितिक इधर उधर खेल रहा था और इसी दौरान लगभग 1.45 बजे बालक ब्लड बैंक के बगल स्थित बिजली के खंभे से छू गया और खंभे में करंट उतरने के चलते चिपक गया था।अस्पताल की बिजली न होने के चलते करीब एक घंटे तक इमरजेंसी से लेकर सभी वार्डों में अंधेरा छाया रहा। लोगों की मानें तो अस्पताल के ब्लड बैंक के बीच से सर्जिकल ऑपरेशन थिएटर और वार्डन को जाने वाले रास्ते पर लोहे का विद्युत पोल में बिजली का करंट दौड़ रहा था। फिलहाल इस बीच अस्पताल का कार्य बाधित न हो इसलिए जनरेटर चलवा कर का रुके कार्यों को आरंभ करवाया।बिजली सप्लाई बाधित होने से राजा नाम के मरीज का ऑपरेशन कर रहे डा. गुलाबचंद्र पटेल को ऑपरेशन रोकना पड़ा। ऐसे में कर्मचारी अजय प्रताप सिंह को ओटी से बार–बार फोन करके जनरेटर चलवाने की मांग करते रहे। इसके अलावा इमरजेंसी वार्ड,आयुष्मान वार्ड,सर्जिकल वार्ड समेत सभी वह वीडियो की बिजली ठप होने से भीषण गर्मी के बीच अंधेरे मे बैठे नजर आए।

स्कोप ने लखनऊ में 'आरटीआई अधिनियम पर राष्ट्रीय बैठक' का आयोजन किया

मुख्य सूचना आयुक्त ने स्कोप की आरटीआई अधिनियम पर राष्ट्रीय मीट का उद्घाटन किया

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊ रूस्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (स्कोप) द्वारा आयोजित श्आरटीआई अधिनियम की राष्ट्रीय बैठकश का उद्घाटन श्री वाई.के.सिन्हा, मुख्य सूचना आयुक्त के द्वारा श्री के. रविन्द्र नायक, प्रमुख सचिव प्रशासनिक सुधार, लोक सेवा प्रबंधन एवं सचिवालय प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश की उपस्थिति में किया गया । श्री अतुल सोबती, स्कोप के महानिदेशक ने भी दो दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। यूपी सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) के वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम मैं उपस्थित थे। कार्यक्रम में ३७ सार्वजनिक उपक्रमों के १०० से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

अपने उद्घाटन भाषण में श्री वाई. के. सिन्हा ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (पीएसई) हमारे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उन्हें पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करना चाहिए। श्री सिन्हा ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही किसी संगठन के प्रदर्शन की आधारशिला होती है।

श्री के. रविन्द्र नायक ने सूचना चाहने वालों और सार्वजनिक प्राधिकरणों के लाभ और ज्ञान उन्नयन के लिए, लखनऊ में स्कोप आरटीआई सम्मेलन के आयोजन के लिए सराहना की । खास करके देश के सबसे बड़े राज्य में, जहाँ सबसे ज्यादा आरटीआई आवेदन प्राप्त होते हैं ।

श्री अतुल सोबती ने कहा कि आरटीआई एक नागरिक केंद्रित अधिनियम है जो पारदर्शिता, नैतिकता, जवाबदेही से नागरिकों को सशक्त बनाता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि चूंकि पीएसई भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, स्कोप, देश के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान और अनुभव साझा करने कार्यक्रम आयोजित करता रहा है।

स्कोप की राष्ट्रीय बैठक का उद्देश्य वरिष्ठ अधिकारियों, पीआईओ, नोडल अधिकारियों और पीएसई के अधिकारियों को आरटीआई अधिनियम और इसमें शामिल मुद्दों की बेहतर जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

स्कोप, नियमित रूप से आरटीआई, कॉर्पोरेट प्रशासन, जलवायु परिवर्तन, महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व, डिजिटल परिवर्तन आदि जैसे विषयों पर देश भर में कार्यशालाएं और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता है।

अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट पर सरकार अपना रुख जल्द करे स्पष्ट : डॉ० आदर्श दीपक मिश्रा

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष डॉ.आदर्श दीपक मिश्र एडवोकेट ने आशा नगर स्थित अपने आवास पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हापुड़ में निहत्थे वकीलों पर पुलिस प्रशासन ने जो जमकर लाठियां बरसाई हैं। ये शासन और प्रशासन का तानाशाही रवैया है। शासन प्रशासन की यह दमनकारी अधिवक्ता विरोधी नीति से अधिवक्ताओं में ही नहीं बल्कि आम जनमानस में भी रोष है। अधिवक्ता समाज का अगुवाकार है। न्याय व्यवस्था को चलाने का कार्य प्रमुख रूप से अधिवक्ता ही करता है। अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। जिसे सरकार अपनी दमनकारी नीति से तोड़ने का कार्य कर रही है। कहा, इस कृत्य से आम जनता का न्याय व्यवस्था से विश्वास उठ जाएगा। पुलिस प्रशासन पूरी तरीके से निरंकुश हो चुका है। सरकार का इस पर किसी प्रकार से कोई अंकुश नहीं है। पुलिस प्रशासन के तानाशाही रवैये के विरोध में पूरे देश प्रदेश में अधिवक्ता अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से हड़ताल कर रहा है जिसे प्रदेश में बैठी सरकार अनदेखा और अनसुना कर रही है। जो कि अधिवक्ता समाज के हित में नहीं है। अगर जल्द सरकार नहीं चेती तो आंदोलन का रूप बहुत भयंकर हो सकता है। कहा, सरकार को जल्द ही अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। जब न्याय व्यवस्था के प्रमुख स्तंभ अधिवक्ता साथियों के साथ यह व्यवहार होगा। उनके चौंबर, घर, कार्यालय में बर्बरता पूर्वक मारा पीटा जाएगा ऐसे में न्याय व्यवस्था का दबदबा भरने वाली सरकार से न्याय की उम्मीद कहां तक की जा सकती है। जनपद हापुड़ के अधिवक्ताओं को न्याय न मिलने से यह साबित हो रहा है कि सरकार दोषी पुलिसकर्मी एवं उनका संरक्षण देने वाले पुलिस अधीक्षक हापुड़ एवं जिलाधिकारी हापुड को बचाने का काम कर रही है। इससे यह साबित होता है प्रदेश सरकार अधिवक्ताओं की हितैषी नहीं है और प्रदेश सरकार की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। मांग की कि दोषी पुलिस कर्मियों पर न्याय हित में अतिशीघ्र कार्यवाही कराकर तुरंत जेल भेजा जाए। अधिवक्ताओं पर लिखी कई जिलो मे फर्जी एफ0आई0आर तुरंत वापस की जाए साथ ही तत्कालीन जिलाधिकारी हापुड़ एवं पुलिस अधीक्षक को स्थानांतरित कर कार्रवाई की जाए। अधिवक्ता संघ के पूर्व महामंत्री परम अग्निहोत्री ने मांग की कि देश एवं प्रदेश में अधिवक्ताओं के हित एवं उनकी सुरक्षा के लिए अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट, विधानसभा, लोकसभा, राज्यसभा में पास कर जल्द लागू किया जाए ऐसा न होने पर अधिवक्ता ही नहीं आम जनता का भी न्याय व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा। जिसका परिणाम आने वाले समय में अच्छा नहीं होगा। उन्होंने कहा अधिवक्ता किसी भी कीमत में हड़ताल वापस नहीं लेगा जब तक उसकी मांग सरकार नहीं मानेगी।

प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से अधिवक्ता सुशील त्रिपाठी, अधिवक्ता राम जी अवस्थी, अधिवक्ता देवेश द्विवेदी, अधिवक्ता धीरज सिंह चौहान, अधिवक्ता राजीव कश्यप, अधिवक्ता चंद्रशेखर पाल, अधिवक्ता अयूब खान सहित कई अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

हिंदी भाषा नहीं भावों की अभिव्यक्तिहै, यह मातृभूमि पर मर मिटने की भक्ति है।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हिंदी भाषा ही नहीं बल्कि देववाणी है जो देश के विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोगों को एकता के सूत्र में पिरोती है। देश को एकता के सूत्र में संजोकर रखने में हिंदी का बहुत बड़ा योगदान है। 14 सितंबर का दिन मातृभाषा को समर्पित है। मातृभाषा की उन्नति के बिना किसी भी समाज का विकास संभव नहीं है। अपनी भाषा के ज्ञान के बिना मन की पीड़ा को दूर करना भी मुश्किल है। आजादी मिलने के दो साल बाद 14 सितबंर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर सम्पूर्ण भारत में हिंदी दिवस 14 सितम्बर मनाया जाने लगा। 14 सितंबर 1953 को पहली बार देश में हिंदी दिवस मनाया गया। दुबग्गा– लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल फरीदीपुर में आज 14 सितम्बर को हिंदी दिवस मनाया गया इस अवसर पर निबंध लेखन, वादविवाद प्रतियोता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के सभी छात्रछात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रबंधक अवधेश सिंह व प्रधानाचार्य गुन्जन खत्री, जूनियर व सीनियर कक्षाओं के इंचार्ज शुचि तिवारी एवम् राखी श्रीवास्तव, हिन्दी प्रवक्ता नरेन्द्र वर्मा , प्राची वर्मा, अर्पिता व समस्त शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही प्रधानाचार्य ने अपने विचारों को प्रस्तुत किया कि भारत में हर भाषा का सम्मान है, पर हिंदी ईश्वर का वरदान है। इन्हीं शब्दों के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

हिंदी भाषा राष्ट्र का गौरव: डॉक्टर तारकेश्वर

विदेशो में हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता महत्वपूर्ण

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) श्री सरस्वती सदन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय हिंदी दिवस समारोह का समापन आज हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता पर मुख्य वक्ता डॉक्टर तारकेश्वर गुप्ता का व्याख्यान और तीन दिनों तक हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरण करने के साथ संपन्न हुआ।

बच्चों को पुरस्कार वितरण करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में केंद्र सरकार के सेवानिवृत हिंदी सलाहकार एस एन अग्निहोत्री मौजूद रहे मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर तारकेश्वर गुप्ता ने हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता को समझाते हुए उसे बाजार बाद हिंदी भाषियों की बढ़ती जनसंख्या के कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियां तथा सरकारों के लिए हिंदी की स्वीकारता को मजबूरी बताई। उन्होंने कहा कि विश्व की बड़ी जनसंख्या में प्रमुख भारत को हिंदी स्वीकार करना वैश्विक मजबूरी भी है बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अपने उत्पाद बेचने और यहां तक की विज्ञापन के ऊपर चल रही सरकारों को अपने प्रचार के लिए हिंदी का 90 प्रतिशत तक उपयोग करना पड़ रहा है उन्होंने हिंदी फिल्मों और हिंदी गीतों की विदेश में बढ़ती लोकप्रियता भी हिंदी की स्वीकार्यता को महत्वपूर्ण बताया विश्व मंच पर हिंदी निरंतर सशक्त हो रही है और भारत में 180 विश्वविद्यालय के साथ विश्व के तमाम विश्वविद्यालय में हिंदी पढ़ाई जा रही है मुख्य अतिथि एस एन अग्निहोत्री ने हिंदी को भारत की जनवोली बताते हुए कहा कि भाषा राष्ट्र का गौरव होती है हिंदी भाषियोंको उसके भविष्य के प्रति सचेत रहना चाहिए।

समापन समारोह का प्रारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और श्रवण रही द्वारा रखी गई सरस्वती वंदना से हुआ सदन अध्यक्ष अरुणेश वाजपेई ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सदन द्वारा हिंदी सेवा के लिए निरंतर जारी कार्यों की जानकारी दी मंत्री मनीष मिश्रा ने सदन की संक्षिप्त व्याख्या प्रस्तुत की कार्खाई का संचालन महेश मिश्रा ने किया आभार प्रदर्शन अनिल श्रीवास्तव ने किया बच्चों को पुरस्कार वितरित कराने में पुस्तकालय अध्यक्ष सीमा मिश्रा का सक्रिय सहयोग रहा इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रोफेसर अखिलेश बाजपेई बीडी शुक्ला डॉक्टर अमित कुमार वर्मा डॉक्टर देश दीपक शुक्ला डॉक्टर ईश्वर चंद्र वर्मा गिरीश डीडवानिया इंदु शुक्ला शैलेंद्र खन्ना मूवी मिश्रा रामबाबू शर्मा हरिवंश सिंह और डॉक्टर आलोक टंडन मौजूद रहे।

साहिब श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी के 421वें पहले प्रकाश पर्व के कार्यक्रम आरम्भ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। साहिब श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी महाराज का 421वां पहला प्रकाश पर्व सेवक जत्थे एवं श्री गुरु सिंह सभा की ओर से ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरु नानक देव जी, नाका हिण्डोला लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया जा रहा है। यह जानकारी लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बग्गा ने दी।

सिक्ख सेवक जत्थे के अध्यक्ष राजवंत सिंह बग्गा ने बताया कि प्रातः का दीवान 5.00 बजे आरम्भ हुआ जिसमें शबद कीर्तन गायन करते श्रद्धलुओं के पीछे फूलों की बरखा एवं सुगन्ध से भरे वातावरण में फूलों से सुसज्जित भव्य पालकी साहिब में विराजमान साहिब श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी महाराज को पुरूष, महिलाएं तथा बच्चे अपने कन्धों पर

उठाकर वाहिगुरू का जाप कर रहे थे। सुखमणि साहिब सेवा सोसायटी, दशमेश सेवा सोसायटी और सिक्ख यंग मेंस एसोसिएशन के सदस्यों ने भी गुरबाणी कीर्तन का गायन किया शबद चौकी के कार्यक्रम के उपरान्त श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी का प्रकाश दरबार हाल में फूलों और एवं बिजली की झालरों से सुसज्जित भव्य संगमरमर की पालकी में किया गया उसके उपरान्त श्री अखण्ड पाठ शुभारम्भ हुआ जो लगातार 48 घन्टे तक चलेगा तत्पश्चात भाई हजूरी रागी राजिन्दर सिंह जी ने अपनी मधुर वाणी में ष्सभ सिक्खन को हुकुम है गुरू मान्यो ग्रंथ ष एवं पवित्र आसा दी वार का अमृतमयी शबद कीर्तन गायन किया। ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी की महिमा का व्याख्यान करते हुए बताया कि गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज का सबसे पहले प्रकाश गुरु अर्जन देव जी ने श्री हरमंदिर साहिब अमृतसर साहिब में 1604 को किया था और बाबा बुड्ढा जी को पहला मुख्य ग्रंथि बनाया गया था। कार्यक्रम का संचालन सतपाल सिंह मीत ने किया।

कल भी कार्यक्रम जारी रहेंगे और कल शाम के विशेष कीर्तन समागम में शामिल होने के लिए भाई अमनदीप सिंह जी हजूरी रागी जत्था गुरुद्वारा बंगला साहिब दिल्ली से विशेष रूप से पधार रहे हैं जो कल शाम के कीर्तन समागम में गुरबाणी गायन करके संगतो को कृतार्थ करेंगे।

दीवान की समाप्ति के उपरान्त ब्रेड छोले, चाय नाश्ता का लंगर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।

600 करोड़ की लागत से बनेगी नयी अयोध्या कैंट स्टेशन की बिल्डिंग

शीघ्र ही बदलेगी अयोध्या कैंट स्टेशन की सूरत

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) केंद्र सरकार व राज्य सरकार अयोध्या की विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।चाहे राम पथ, धर्म पथ, भक्ति पथ हो। इसके अलावा राम नगरी में चहुं मुखी विकास हो रहा है।इसी कड़ी में अयोध्या स्टेशन के विकास के बाद अब अयोध्या कैंट स्टेशन (फैजाबाद) को 600 करोड़ रुपए से संवारा जाएगा। एक साल पहले इसके विकास के गए डीपीआर को रेल मंत्रालय से बहुत जल्द मंजूरी मिलने जा रही है। इसके बाद इसे पूरी तरह से भव्य बनाया जाएगा और इसे राम मंदिर के मॉडल के तर्ज पर विकसित किया जाएगा।जानकारो के मुताबिक यह पहले की अपेक्षा करीब दो गुना बड़ा होगा।जल्द ही डीआरएम लखनऊ और मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक आदि की टीम आने वाली है।सांसद लल्लू सिंह ने बताया, अयोध्या कैंट के विकास प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की बात कभी भी सामने आ सकती है।इसकी औपचारिकताएं पूरी की जा चुकी हैं। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के आसपास रेल विभाग की बहुत जमीन है। नए विकास के लिए रेलवे को जमीन खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस रेलवे स्टेशन को बेहद भव्य और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए इस स्टेशन का विकास होगा।सांसद ने बताया, स्टेशन के मुख्य भवन की जगह बदलेगी और उसे ऐसी जगह बनाया जाएगा जहां मुख्य भवन के आसपास बड़ी जगह है। अयोध्या रेलवे स्टेशन और अयोध्या कैंट के रेल लाइन दोहरीकरण का काम आगामी दिसंबर तक पूरा करने की कोशिश है। हम सब की कोशिश है कि अयोध्या और अयोध्या कैंट के लिए ट्रेन की संख्या बढ़ाई जाए। इसको लेकर काम चल रहा है।नए भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पहले अयोध्या बहुत कुछ बदली नजर आएगी।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लक्ष्य से दूर है स्वास्थ्य विभाग

जिले में 48 प्रतिशत ही लोगों का बना है आयुष्मान कार्ड

अयोध्या। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल आयुष्मान कार्डध 50 प्रतिशत लाभार्थी का भी जिले मे नही बन सका हैं।इसका मुख्य कारण मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में तैनात अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में इस कार्ड से होने वाली लाभों की जानकारी का अभाव है।इन ग्रामीणों को इस कार्ड को बनवाने के लिए स्वास्थ्य विभाग समय समय पर ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप तो लगवाता ही है इसके अलावा कोटेदारों,आशा बहुओं को प्रशिक्षित कर पात्रों के आयुष्मान कार्डध बनाने के निर्देश दिए गए हैं।बताते चलें कि वर्ष 2011मे आर्थिक आधार पर केन्द्र सरकार द्वारा कराये गये जनगणना के आधार पर जिले में वर्ष 2018 से अब तक 2,49,274 परिवारों में से कुल 11,12,669 लोग पात्र पाए गए।जिसमे से कुल 5,45,526 पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड सका है।30,612पात्र विभिन्न जगहों पर जाकर अपना इलाज करा रहे है।

इस तरह अभी जिले में महज 48 प्रतिशत पात्र इस महात्वाकांक्षी योजना का लाभ उठा रहे हैं।जबकि जानकारो की माने तो किसी भी सरकारी योजनाओं मे सही लक्ष्य का निर्धारण 75 प्रतिशत होता है।जबकि जिले में इस योजना के लाभार्थी पचास प्रतिशत भी नहीं है।इस संबंध में डिप्टी सीएमओध्आयुष्मान विभाग के नोडल अधिकारी दीपक पाण्डेय ने बताया कि लोगो को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए बीच बीच में ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप लगाकर उन्हें जागरुक किया जाता है।क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र के लोग अधिकतर इस कार्ड के लिए पात्र है।परंतु वे इस कार्ड का महत्व नहीं जानते हैं।

उन्होंने बताया कि इसके लिए कोटेदारों आंगनबाड़ी व आशा बहुओं को प्रशिक्षित कर पात्र लोगो का अधिक से अधिक संख्या में आयुष्मान कार्ड बनाने में मदद करे।कोटेदार अन्त्योदय कार्ड धारक का आयुष्मान कार्डध बनाये।फिलहाल अगर देखा जाए तो आयुष्मान कार्डध बनाने में स्वास्थ्य विभाग लक्ष्य तो छोड़िए अभी पचास प्रतिशत तक भी नहीं पहुंचा है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।